शेषनाग झील: तीर्थ-मार्ग और हिमालयी पारिस्थितिकी की बहस

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 23 से 25 नवंबर 2026 (शेषनाग झील के पास कार्य को लेकर विवाद)

प्रिलिम्स: शेषनाग झील, ओलिगोट्रॉफ़िक झील, अमरनाथ यात्रा मार्ग, सीमा सड़क संगठन (BRO), मोरेन

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-I, भूगोल (हिमालयी झीलें); सामान्य अध्ययन-III, पर्यावरण, अवसंरचना बनाम पारिस्थितिकी



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com।

▼ इस लेख में

1. खबरों में क्यों
2. शेषनाग झील: भौगोलिक परिचय
3. विवाद में किसने क्या कहा
4. संबंधित अवधारणाएँ
5. परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण
6. आगे की राह
7. प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न
8. मुख्य परीक्षा: अभ्यास प्रश्न
9. स्रोत
10. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

खबरों में क्यों

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में अमरनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित **शेषनाग झील** के पास एक भारी मशीन (अर्थ मूवर) के इस्तेमाल का सोशल मीडिया वीडियो चर्चा में आया। सीमा सड़क संगठन (BRO) ने **23 नवंबर** को बयान जारी कर कहा कि वह यात्रा के बाद के कार्य कर रहा है। **25 नवंबर** को जम्मू-कश्मीर के वन मंत्री ने कहा कि 12 सदस्यीय अधिकारी-दल को निरीक्षण में कोई छेड़छाड़ या उल्लंघन नहीं मिला। [3][4]

ध्यान रखें: वीडियो में दिखे कार्य, उसके स्थान और झील पर असर को लेकर दावे अलग-अलग हैं। इस लेख में इनमें से किसी भी पक्ष के दावे को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं माना गया है। इसलिए यहाँ तथ्य, पक्षों के बयान और व्यापक पारिस्थितिकी-प्रश्न अलग-अलग रखे गए हैं।

शेषनाग झील: भौगोलिक परिचय

> मूल बात समझिए: ओलिगोट्रॉफ़िक (oligotrophic) झील वह है जिसमें पोषक तत्व कम होते हैं, इसलिए शैवाल और जलीय पौधों की वृद्धि सीमित रहती है और पानी आम तौर पर साफ़ और गहरे रंग का दिखता है। ऊँचाई की ठंडी हिमनद-पोषित झीलें अक्सर ऐसी होती हैं।

स्थिति: अनंतनाग ज़िले के प्रशासन के पर्यटन-पृष्ठ के अनुसार यह अमरनाथ गुफा की राह पर स्थित ऊँचाई की ओलिगोट्रॉफ़िक झील है, जो अपने फ़िरोज़ा-हरे पानी के लिए जानी जाती है। [1]

यात्रा-मार्ग में स्थान: श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अनुसार शेषनाग असल में एक पर्वत है, जिसके सात शिखर पौराणिक सर्प के फनों जैसे दिखते हैं, इसी से नाम पड़ा। यात्रा का दूसरा रात्रि-पड़ाव शेषनाग में होता है, जहाँ से गहरे नीले पानी की झील और उसके पार हिमनद दिखते हैं। यहाँ से आगे यात्री 4,276 मीटर (लगभग 14,000 फ़ुट) ऊँचे महागुनस दर्रे को पार करके पंचतरणी पहुँचते हैं। [2]

आकार: एक समाचार-रिपोर्ट के अनुसार झील लगभग 1.1 किमी लंबी और 0.7 किमी चौड़ी है और गुफा शेषनाग पड़ाव से 18 से 20 किमी दूर है। यह माप आधिकारिक सर्वे से नहीं ली गई है, इसलिए परीक्षा में इसे पक्के आँकड़े की तरह न रटें। [4]

विवाद में किसने क्या कहा

BRO का बयान (23 नवंबर): BRO ने कहा कि वह अमरनाथ यात्रा के बाद के कार्य सभी लागू सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय सुरक्षा-उपायों के पालन में कर रहा है। संगठन के अनुसार यात्रा के अनुभव और चौड़े मार्ग की ज़रूरत को देखते हुए उसने रास्तों को चौड़ा करना शुरू किया है, जिसमें कमज़ोर हिस्सों को स्थिर करने पर ज़ोर है। बयान में कहा गया कि कार्य मौजूदा रास्तों तक सीमित हैं, खोदी गई मिट्टी के सुरक्षित निपटान, प्राकृतिक जल-निकासी की रक्षा और आसपास के भू-भाग में कम से कम अशांति के उपाय किए जा रहे हैं। BRO रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आता है। [3]

जम्मू-कश्मीर सरकार का पक्ष (25 नवंबर): वन मंत्री के अनुसार मुख्यमंत्री के निर्देश पर भेजे गए 12 सदस्यीय दल ने, जिसमें पर्यावरण, पारिस्थितिकी और क्षेत्रीय वन विभाग के अधिकारी तथा वन सुरक्षा बल शामिल थे, कोई छेड़छाड़ या उल्लंघन नहीं पाया। मंत्री ने यह भी कहा कि वीडियो भ्रामक है और तीर्थ-मार्ग तथा झील के बीच 200 से 300 फ़ुट का अंतर है। उन्होंने 2025 में राज्य सरकार और BRO की परियोजना बीकन के बीच हुए समझौता-ज्ञापन (MoU) का हवाला दिया और कहा कि मौजूदा रास्ता 2012 की घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित 12 फ़ुट चौड़ाई के अनुरूप है। [4]

चिंताएँ: रिपोर्टों के अनुसार कुछ राजनीतिक नेताओं, स्थानीय लोगों और पर्यावरण-कार्यकर्ताओं ने भारी मशीनों के उपयोग पर चिंता जताई और विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन तथा विशेषज्ञों और स्थानीय समुदायों से परामर्श की माँग की। उन्होंने क्षेत्र को ढीले मलबे वाली ढलानों से घिरा बताया। एक रिपोर्ट में यह भी था कि BRO ने ऊँचे पहाड़ों में मशीनों के उपयोग का कारण स्पष्ट नहीं किया था। [3]

अभी क्या सिद्ध नहीं है: उपलब्ध स्रोतों में किसी स्वतंत्र वैज्ञानिक आकलन से यह पुष्टि नहीं है कि झील को कोई क्षति पहुँची है, कोई नियम टूटा है या कोई पुष्ट खतरा पैदा हुआ है। दूसरी ओर, सरकारी जाँच-दल का निष्कर्ष भी मंत्री के बयान के रूप में ही सामने आया है, उसकी पूरी रिपोर्ट इन स्रोतों में नहीं है। इसलिए इस विवाद पर निष्कर्ष की भाषा सतर्क रखिए।

संबंधित अवधारणाएँ

हिमनद-झील (glacial lake): हिमनद के पिघलने या उसके द्वारा बनाए गए गड्ढों और बाँधों में जमा पानी की झील।

मोरेन (moraine): हिमनद द्वारा लाया और छोड़ा गया चट्टानी मलबा। यह प्रायः ढीला होता है, इसलिए ढलानों पर छेड़छाड़ से भू-स्खलन का जोखिम रह सकता है। ऊपर के स्रोत में एक राजनीतिक नेता ने क्षेत्र को ऐसी ढलानों से घिरा बताया है, यह दावा किसी स्वतंत्र आकलन से पुष्ट नहीं है।

GLOF (हिमनद-झील विस्फोट बाढ़): किसी हिमनद-झील के टूटने या उफनने से अचानक आई बाढ़। यह एक सामान्य जोखिम-अवधारणा है। शेषनाग झील के संदर्भ में किसी GLOF जोखिम की पुष्टि इन स्रोतों में नहीं है।

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA): किसी परियोजना के संभावित पर्यावरणीय असर का पहले से किया जाने वाला अध्ययन, जिसके आधार पर उसे मंज़ूरी दी जाती है या शर्तें लगाई जाती हैं।

सीमा सड़क संगठन (BRO): रक्षा मंत्रालय के अधीन संगठन, जो सीमावर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में सड़कें बनाता है।

परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण

विकास बनाम पारिस्थितिकी का सवाल: तीर्थ-मार्ग का चौड़ीकरण भीड़ और सुरक्षा की समस्या सुलझा सकता है। उसी समय, ऊँचाई के नाज़ुक पारितंत्र में निर्माण-कार्य के लिए ठोस वैज्ञानिक आधार चाहिए। दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं, इसलिए सवाल ‘कार्य हो या न हो’ से अधिक ‘कैसे हो’ का है।

पारदर्शिता: जब वीडियो जैसी सूचनाएँ तेज़ी से फैलती हैं और पक्ष अलग-अलग दावे करते हैं, तब परियोजना का दायरा, स्थान और सुरक्षा-उपाय सार्वजनिक करना विवाद घटाने का सबसे सीधा तरीका है।

स्वतंत्र निगरानी: सरकारी दल के निरीक्षण के साथ यदि स्वतंत्र वैज्ञानिक संस्थाओं की निगरानी और रिपोर्ट सार्वजनिक हो, तो भरोसा बढ़ता है।

मानचित्र-आधारित तथ्य: परीक्षा के मानचित्र-प्रश्नों के लिए इतना याद रखिए: शेषनाग अनंतनाग ज़िले में है, अमरनाथ यात्रा के पारंपरिक पहलगाम मार्ग पर पड़ता है और इसके बाद महागुनस दर्रा तथा पंचतरणी आते हैं।

आगे की राह

हिमालयी तीर्थ-मार्गों पर किसी भी चौड़ीकरण या निर्माण से पहले स्वतंत्र वैज्ञानिक अध्ययन, पर्यावरणीय आकलन, स्थानीय समुदाय से परामर्श और कार्य के दौरान निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए। यात्रियों की संख्या का नियमन, कचरा-प्रबंधन और आपदा-तैयारी भी उतने ही ज़रूरी हैं। परियोजना की जानकारी और निरीक्षण की रिपोर्ट सार्वजनिक करने से अफ़वाहों की गुंजाइश घटेगी।

प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. शेषनाग झील के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह अनंतनाग ज़िले में अमरनाथ गुफा की राह पर स्थित ऊँचाई की ओलिगोट्रॉफ़िक झील है।

कथन 2: पारंपरिक मार्ग पर शेषनाग के बाद यात्री महागुनस दर्रे को पार करके पंचतरणी पहुँचते हैं।

कथन 3: यह झील गंदेरबल ज़िले में स्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 2 और 3

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

कथन 1 सही है, ज़िला प्रशासन के अनुसार यह अनंतनाग ज़िले में अमरनाथ गुफा की राह पर स्थित ओलिगोट्रॉफ़िक झील है। कथन 2 सही है, श्राइन बोर्ड के अनुसार शेषनाग से आगे महागुनस दर्रा पार करके पंचतरणी पहुँचा जाता है। कथन 3 गलत है, झील अनंतनाग ज़िले में है।

प्रश्न 2. ओलिगोट्रॉफ़िक झील के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) इसमें पोषक तत्व अत्यधिक होते हैं और शैवाल की वृद्धि बहुत अधिक होती है

(b) इसमें पोषक तत्व कम होते हैं और जैविक उत्पादकता सीमित रहती है

(c) इसका जल अत्यधिक खारा होता है

(d) यह केवल मौसमी रूप से बनती है और गर्मियों में सूख जाती है

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

ओलिगोट्रॉफ़िक झील में पोषक तत्व कम होते हैं, इसलिए जैविक उत्पादकता सीमित रहती है और पानी प्रायः साफ़ रहता है। अत्यधिक पोषक तत्व और शैवाल-वृद्धि यूट्रोफ़िक झील की पहचान है।

मुख्य परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "हिमालयी तीर्थ-मार्गों पर अवसंरचना के विस्तार और पारिस्थितिकी-संरक्षण के बीच संतुलन आज की बड़ी नीतिगत चुनौती है।" शेषनाग झील के पास के हालिया विवाद के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: विवाद का संक्षिप्त संदर्भ और यह कि पक्षों के दावे स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हैं; हिमालयी तीर्थ-मार्गों की दोहरी भूमिका (आस्था और नाज़ुक पारितंत्र)।

मुख्य भाग में: तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुगमता की आवश्यकता; BRO और सरकार का पक्ष (मौजूदा रास्तों तक सीमित कार्य, निरीक्षण में कोई उल्लंघन नहीं); चिंता जताने वालों की माँगें (वैज्ञानिक अध्ययन, EIA, परामर्श); पारदर्शिता, स्वतंत्र निगरानी और क्षमता-सीमा जैसे उपाय।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष: विकास और संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं हैं, पर नाज़ुक क्षेत्रों में साक्ष्य-आधारित और पारदर्शी प्रक्रिया ही भरोसा बनाती है।

स्रोत

- [1] https://anantnag.nic.in/touristplaces-modern/
- [2] https://jksasb.nic.in/traditional_route.html
- [3] https://indianexpress.com/article/india/bro-defends-excavator-work-sheshnag-lake-amarnath-yatra-kashmir-leaders-warn-disaster-10975452/
- [4] https://www.thehindu.com/news/national/jammu-and-kashmir/no-tampering-violation-found-at-sheshnag-lake-jk-minister-altaf-kaloo/article71741828.ece

समाचार-आधारित अंश (मशीन का उपयोग, सरकारी जाँच-दल का निष्कर्ष, चिंताएँ) द्वितीयक रिपोर्टों पर आधारित हैं और 25 नवंबर 2026 तक की स्थिति दर्शाते हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ शेषनाग झील कहाँ है?

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में, अमरनाथ गुफा की राह पर। ज़िला प्रशासन इसे ऊँचाई की ओलिगोट्रॉफ़िक झील बताता है।

▼ BRO ने क्या कहा?

23 नवंबर के बयान में BRO ने कहा कि वह यात्रा के बाद के कार्य सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय सुरक्षा-उपायों के पालन में कर रहा है, कार्य मौजूदा रास्तों तक सीमित हैं और रास्तों को चौड़ा करने का उद्देश्य कमज़ोर हिस्सों को स्थिर करना है।

▼ सरकारी जाँच-दल को क्या मिला?

जम्मू-कश्मीर के वन मंत्री के अनुसार 12 सदस्यीय दल को कोई छेड़छाड़ या उल्लंघन नहीं मिला। यह निष्कर्ष स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं है और पूरी रिपोर्ट इन स्रोतों में नहीं है।

▼ क्या झील को नुकसान या बाढ़ का खतरा सिद्ध हुआ है?

उपलब्ध स्रोतों में ऐसा कोई स्वतंत्र वैज्ञानिक निष्कर्ष नहीं है। चिंताएँ जताई गई हैं, पर वे अभी पुष्ट आकलन नहीं हैं।